<u>प्रकाशनार्थ विज्ञप्ति</u>

9 मई 2025 को केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और स्वतंत्र क्षेत्रीय फेडरेशनो के संयुक्त मंच द्वारा प्रेस को निम्नलिखित बयान जारी किया गया।

केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और स्वतंत्र *फेडरेशनो* के मंच ने 8 तारीख शाम को बैठक की, जिसमें 20 मई को निर्धारित राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल की तैयारियों की समीक्षा की गई। हड़ताल को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। श्रमिकों के बीच रोष बढ़ रहा है क्योंकि भारत सरकार और कुछ स्थानों पर प्रबंधन श्रम संहिताओं के प्रावधानों को लागू करके मौजूदा कानूनों का उल्लंघन करना जारी रखे हुए हैं जिन्हें अभी तक देश में अधिसूचित/कार्यान्वित नहीं किया गया है। इस पृष्ठभूमि में तैयारियां अधिक दृढ़ गति से चल रही हैं। यह पूरे जोश के साथ जारी रहना चाहिए।

बैठक में भारत में नफरत फैलाने और सांप्रदायिक संघर्ष भड़काने के उद्देश्य से बर्बर आतंकवादी हमले में निर्दोष नागरिकों के पहलगाम नरसंहार की स्पष्ट रूप से निंदा की गई।

हम, यूनियनें सांप्रदायिक संगठनों और उन लोगों के प्रयासों की भी निंदा करती हैं जो हमारे नागरिकों के शांतिपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण जीवन को नुकसान पहुंचाने के लिए सांप्रदायिक विभाजनकारी ध्रुवीकरण के अपने एजेंडे को बनाए रखते हैं और आतंकवादियों के मकसद को बढ़ाने के लिए जहर फैलाते रहते हैं।

हम पहलगाम की भयावह घटना के बाद देश के विभिन्न हिस्सों में कश्मीरी नागरिकों और छात्रों पर हुए हमले की निंदा करते हैं। हम जम्मू और कश्मीर के लोगों की प्रतिक्रिया को देखते हुए और उनकी अत्यधिक सराहना करते हैं कि वे पर्यटकों की इस हत्या को तत्काल अस्वीकार करते हुए और राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए ठोस चट्टान के रूप में मज़बूती से खड़े हो गए.

हम भारतीय नौसेना के लेफ्टिनेंट नरवाल की विधवा हिमांशी नरवाल के ट्रोल/दुर्व्यवहार करने वालों की निंदा करते हैं, जिन्होंने अपने साक्षात्कार में कश्मीरी छात्रों और सामान्य रूप से मुसलमानों पर हमले को अस्वीकार कर दिया था और भारतीय जनता की एकता बनाए रखने की वकालत की थी।

हम श्री विक्रम मिश्री, विदेश सचिव भारत सरकार, कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस का भी संज्ञान लेते हैं, जिसमें भारतीय सेना द्वारा की गई कार्यवाही को भारतीय धरती पर आतंकवाद के अपराधियों को दंडित करने के लिए लड़ाकू कार्रवाई करार दिया गया है, और यह कि ये कार्यवाही स्थिति को बढ़ावा देने के लिए नहीं हैं। हम यह मानते है कि आतंकवादियों को दंडित करने के लिए राजनयिक माध्यमों का उपयोग करने सहित सभी प्रयास किए जाने चाहिए। साथ ही स्थिति को बढ़ने नहीं देना चाहिए।

देश के लोगों ने काफी हद तक शांत दृष्टिकोण अपनाया है और वे दोनों देशों में नागरिकों को नुकसान नहीं हो इसलिए युद्ध के पक्ष में नहीं हैं।

यह भारत सरकार के लिए हमारे देश के हित में कट्टरपंथियों और नफरत फैलाने वालों को नियंत्रित करने का उच्च समय है।

हम सभी कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हैं कि वे जनता के बीच एकता और सद्भाव बनाए रखने के लिए सबसे आगे रहें।

यह संकल्प लिया गया कि स्थिति के आगे बढ़ने पर इसकी समीक्षा करने के लिए केंद्रीय ट्रेड युनियन्स 15 मई को फिर से बैठक करेंगे।

इंटक

एटक

एचएमएस

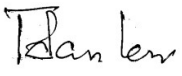
सीटू

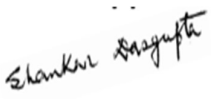
एआइयूटीयूसी

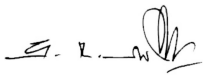
टीयूसीसी

सेवा

एआईसीसीटीयू

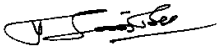
एलपीफ

यूटीयूसी

केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और स्वतंत्र क्षेत्रीय फेडरेशनो का मंच.